Dr. Sarita Devi
Assistant Professor
Department of Psychology
Maharaja College, Ara

कैरोल गिलिगन का नैतिक विकास सिद्धांत (Gilligan's Theory of Moral Development)

परिचय (Introduction):

- कैरोल गिलिगन (Carol Gilligan) एक अमेरिकी मनोवैज्ञानिक थीं जिन्होंने 1982 में अपनी प्रसिद्ध पुस्तक "In a Different Voice" में महिलाओं के नैतिक विकास पर अपने विचार प्रस्तुत किए।
- उन्होंने लॉरेंस कोलबर्ग (Lawrence Kohlberg) के नैतिक विकास सिद्धांत की आलोचना की, क्योंकि उनका कहना था कि कोलबर्ग का मॉडल पुरुषों पर आधारित था और महिलाओं की सोच को नजरअंदाज करता था।
- गिलिगन के अनुसार, पुरुष और महिलाएँ नैतिक निर्णय अलग-अलग तरीकों से लेती हैं —
- पुरुष न्याय (Justice), नियमों (Rules) और अधिकारों (Rights) पर आधारित नैतिक निर्णय लेते हैं।
- महिलाएँ देखभाल (Care), संबंधों (Relationships), सहानुभूति (Empathy) और जिम्मेदारी (Responsibility) पर आधारित नैतिक निर्णय लेती हैं।
- इस प्रकार उन्होंने एक नया दृष्टिकोण प्रस्तुत किया, जिसे "Ethic of Care" (देखभाल की नैतिकता) कहा जाता है।

गिलिगन के अनुसार नैतिकता का स्वरूप (Nature of Morality according to Gilligan):

- गिलिगन के अनुसार नैतिकता का विकास केवल न्याय और नियमों के पालन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह दूसरों की भावनाओं, देखभाल और रिश्तों की गहराई को भी समझता है।
- उनका कहना था कि नैतिक निर्णय लेने की प्रक्रिया में "Care and Responsibility" को भी शामिल करना चाहिए।

Edit with WPS Office

गिलिगन के नैतिक विकास के तीन प्रमुख स्तर (Three Levels of Moral Development by Gilligan):

1. Preconventional Level (पूर्व-पारंपरिक स्तर)

- इस स्तर पर व्यक्ति का ध्यान केवल स्वयं की आवश्यकताओं और इच्छाओं पर होता है।
- नैतिकता "स्वार्थ" या "अपने लिए अच्छा क्या है" पर आधारित होती है।
- व्यक्ति सोचता है: "मुझे वही करना चाहिए जिससे मुझे फायदा हो या मैं परेशानी से बच सकूँ।"
- यह स्तर प्रायः बचपन में देखा जाता है।
- उदाहरण: एक बच्चा कहे — "मैं अपना खिलौना नहीं दूँगा क्योंकि मुझे वो बहुत पसंद है।"

2. Conventional Level (पारंपरिक स्तर)

- इस स्तर पर व्यक्ति दूसरों की जरूरतों, भावनाओं और अपेक्षाओं को समझने लगता है।
- वह दूसरों की मदद करना और उनके साथ अच्छे संबंध बनाए रखना चाहता है।
- यहाँ नैतिकता "दूसरों की देखभाल" पर आधारित होती है।
- व्यक्ति सोचता है: "मुझे ऐसा करना चाहिए जिससे दूसरों को खुशी मिले।"
- उदाहरण: एक लड़की अपने दोस्त को अपना खाना देती है क्योंकि वह भूखा है — भले ही उसे खुद भूख लगे।

3. Postconventional Level (उत्तर-पारंपरिक स्तर)

- यह उच्चतम स्तर है जहाँ व्यक्ति स्वयं और दूसरों दोनों की आवश्यकताओं को समान रूप से महत्व देता है।
- नैतिक निर्णय "देखभाल" और "न्याय" दोनों के संतुलन पर आधारित होते हैं।
- व्यक्ति यह समझता है कि सच्ची नैतिकता केवल दूसरों के प्रति दया नहीं, बल्कि सभी के हित में उचित कार्य करना है।
- उदाहरण: एक व्यक्ति किसी निर्णय में यह सोचता है कि "मेरा निर्णय सबके लिए अच्छा होना चाहिए — न कि केवल मेरे या किसी एक व्यक्ति के लिए।"

Edit with WPS Office

गिलिगन के सिद्धांत की विशेषताएँ (Key Features of Gilligan's Theory):

1. महिला दृष्टिकोण पर आधारित:

यह सिद्धांत महिलाओं की भावनाओं और सामाजिक संबंधों को नैतिक विकास का केंद्र मानता है।

2. देखभाल की नैतिकता (Ethic of Care):

यह बताता है कि नैतिकता केवल कानून या नियमों पर नहीं बल्कि सहानुभूति, करुणा और जिम्मेदारी पर भी आधारित होती है।

3. संबंधों का महत्व:

गिलिगन के अनुसार नैतिक निर्णय व्यक्तिगत संबंधों और पारस्परिक समझ पर निर्भर करते हैं।

4. भावनात्मक बुद्धिमत्ता:

यह सिद्धांत भावनात्मक समझ और दूसरों की पीड़ा को महसूस करने की क्षमता को नैतिक निर्णय का हिस्सा मानता है।

गिलिगन और कोलबर्ग के सिद्धांत में अंतर (Difference between Gilligan and Kohlberg's Theory):

बिंदु	कोलबर्ग का दृष्टिकोण	गिलिगन का दृष्टिकोण
• मुख्य आधार	न्याय (Justice) और नियम	देखभाल (Care) और संबंध
• नैतिक सोच का केंद्र	तर्क, अधिकार, और निष्पक्षता.	सहानुभूति, जिम्मेदारी, और करुणा
• अनुसंधान का विषय	पुरुषों पर आधारित	महिलाओं पर आधारित
• नैतिक विकास का अर्थ	सही या गलत का निर्णय	दूसरों की भावनाओं और ज़रूरतों का संतुलन
• मुख्य नैतिक सिद्धांत	न्याय की नैतिकता	देखभाल की नैतिकता

Edit with WPS Office

निष्कर्ष (Conclusion):

- कैरोल गिलिगन का नैतिक विकास सिद्धांत यह सिखाता है कि नैतिकता केवल नियमों और अधिकारों का पालन नहीं है, बल्कि यह एक मानवीय और भावनात्मक प्रक्रिया है जिसमें देखभाल, सहानुभूति और जिम्मेदारी का समान महत्व है।
- उन्होंने दिखाया कि महिलाएँ नैतिक निर्णयों में अधिक संवेदनशील और संबंध-केंद्रित होती हैं, और यह दृष्टिकोण समाज में नैतिकता की एक अधिक समग्र और मानवीय समझ प्रदान करता है।

Edit with WPS Office